ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-४७
दिनांक- शुक्रवार, १० जुलाई, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.३ एवं २०.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ५४ प्रतिशत, हवा की औसत गति १२.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ०.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन १.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.१ एवं दोपहर में ३२.२ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ६४.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(११-१५ जुलाई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ११-१५ जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- उत्तर बिहार के जिलों मे अगले २४-४८ घंटों में अधिकांश स्थानों पर अच्छी वर्षा की संभावना है। आमतौर पर इस अवधि में मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३० से ३४ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २५-२७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- अगले दो दिनों तक पूरवा हवा तथा उसके बाद के पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १५-२० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्षा जल का लाभ उठाते हुए जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- जिन क्षेत्रों में अच्छी वर्षा हुई है एवं धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। अगर इन क्षेत्रों में किसानों के पास बिचड़ा उपलब्ध नहीं है, तो किसान भाई कदवा करके धान की सीधी बुआई वेट डी.एस.आर.विधि से करें। जहाँ हल्की वर्षा हुई है एवं किसानों के पास बिचड़ा भी नहीं है, वैसे किसान अल्प अवधि एवं मध्यम अवधि वाले धान के बीज को डी.एस.आर. विधि से धान की बुआई करें।
- किसान भाई ऊचॉस जमीन में तिल की बुआई २-३ दिनों के बाद वर्षा की संभावना को ध्यान में देखते हुए करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ६० किवन्टल कम्पोस्ट, २० किलो नेत्रजन, २० किलोस्फुर एवं २० किलो पोटाश का व्यवहार करें। बीजदर ४ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी ३० से०मी० ग १० से०मी० रखें। २.० ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- आम का बगान लगाने का यह समय अनुकुल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग-अलग समय में पकने वाली किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफाँन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम-१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५ ग २.५ मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ-२३ तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-१ अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ-३ तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी २.० मीटर है एवं बौनी जातियों में १.५ मीटर रखें।
- उचॉस जमीन की तैयारी करके अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर,२० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेंद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८-२० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओ के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे। दूधारू पशुओं को हरे चारे के साथ-साथ सूखा चारा (५०:५०) के अनुपात में खिलायें तथा २०-३० ग्राम खनिज मिश्रण व नमक प्रतिदिन दें।

आज का अधिकतम तापमानः २९.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.५ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १९.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ६.१ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी